

मुख्यमंत्री ने गोधन न्याय योजना के हतिग्राहियों को 8.63 करोड़ रुपए की राशिका कयिा अंतरण

चर्चा में क्यों?

20 फरवरी, 2023 को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने अपने नविस कार्यालय में आयोजित वरचुअल कार्यक्रम के माध्यम से गोधन न्याय योजना अंतरगत पशुपालक ग्रामीणों, गौठानों से जुड़ी महिला समूहों और गौठान समितियों को 8.63 करोड़ रुपए की राशि ऑनलाईन जारी की।

परमुख बदि

- इस योजना के हतिग्राहियों को अब तक 19 करोड़ रुपए का भुगतान कयिा जा चुका है। इसके साथ ही इस योजना के शुरु होने से अब तक कुल 105 लाख 63 हजार क्वटिल गोबर की खरीदी की जा चुकी है। इसके एवज में गोबर वकिरेताओं को 4.76 करोड़ रुपए के भुगतान के बाद अब तक 211.25 करोड़ रुपए की राशि प्रदान कर दी गई है।
- अंतरति की जा रही कुल राशि में से 76 करोड़ रुपए का भुगतान गोबर खरीदी के एवज में की गई। इसमें से 2.06 करोड़ रुपए की राशि कृषि विभाग द्वारा और 2.70 करोड़ रुपए की राशि स्वावलंबी गौठानों द्वारा भुगतान की गई है।
- इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में कुल 10 हजार 732 गौठान स्वीकृत कयि गए हैं, जसिमें से 09 हजार 720 नरिमति होकर संचालति हो रहे हैं तथा शेष गौठानों का नरिमाण तेजी से चल रहा है।
- मुख्यमंत्री ने कहा कि गोधन न्याय योजना से पछिले एक साल में लाभान्वति पशुपालकों की संख्या में 59 परतशित की वृद्धि हुई है और गोबर खरीदी में 85 परतशित की वृद्धि हुई है। योजना से 3 लाख 28 हजार ग्रामीण पशुपालक लाभान्वति हुए हैं।
- राज्य में अब तक 5064 गौठान स्वावलंबी हो चुके हैं, जो स्वयं की जमा पूंजी से गोबर करय करने लगे हैं। स्वावलंबी गौठानों द्वारा अब तक 19 करोड़ रुपए का गोबर स्वयं की राशि से करय कर भुगतान कयिा गया है।
- मुख्यमंत्री ने कहा कि गोबर से पेंट बनाने के लयि 21 ज़िलों में 45 इकाई स्वीकृत हुई हैं, इनमें से 13 इकाईयाँ प्रारंभ हो चुकी हैं। शेष 32 यूनटि का नरिमाण तेजी से कराया जा रहा है। अभी तक 30 हजार 218 लीटर पेंट का उत्पादन हो चुका है। इनमें से 14 हजार 358 लीटर पेंट का वकिरय हो चुका है। इससे 29 लाख 16 हजार 300 रुपए की आय प्रापत हुई है।
- उन्होंने कहा कि 99 गौठानों में गौमूत्र की खरीदी की जा रही है। अभी तक 01 लाख 33 हजार 484 लीटर गौमूत्र की खरीदी की जा चुकी है। इसका मूल्य 05 लाख 37 हजार 936 रुपए है। गौमूत्र से ब्रह्मासूत्र कीट नरियंत्रक और जीवामृत वृद्धावर्धक के नरिमाण तथा वकिरय से अब तक 28 लाख 96 हजार 845 रुपए की आय हो चुकी है।
- उल्लेखनीय है कि गोधन न्याय योजना के तहत बीते कई पखवाड़ों से गोबर खरीदी के एवज में भुगतान की जा रही राशि में स्वावलंबी गौठानों की हसिसेदारी 60 से 70 परतशित तक रही है। आज की स्थति में 50 फीसद से अधिक गौठान स्वावलंबी हो चुके हैं, जो स्वयं की राशि से गोबर एवं गौमूत्र की खरीदी के साथ-साथ गौठान के अन्य व्यय अपनी पूंजी से कर रहे हैं।